No. of Printed Pages : 3

ई.एच.डी.-2

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-2 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है । शेष किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पद्यांशों की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) कबिरा खड़ा बज़ार में लिए लुकाठी हाथ ।
जो घर जारे आपना चले हमारे साथ ।।
सुखिया सब संसार है, खावै अरु सोवै ।
दुखिया दास कबीर है, जागै और रोवै ।।

(ख) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय ।
सौंह करै, भौंहनि हँसे, दैन कहै, नटि जाय ।।

(ग) हुआ न यह भी भाग्य अभागा,
किस पर विफल गर्व अब जागा ?
जिसने अपनाया था, त्यागा,
रहे स्मरण ही आते !
सखि, वे मुझसे कहकर जाते ।

(घ) ले मिलेगा उर अचंचल
वेदन-जल, स्वप्न शतदल
जान लो यह मिलन एकाकी
विरह में है दुकेला !
पंथ होने दो अपरिचित
प्राण रहने दो अकेला !

(ङ) कुछ गीत लिखे हैं मस्ती में मैंने,
कुछ गीत लिखे हैं पस्ती में मैंने,
यह गीत सख़्त सरदर्द भुलाएगा;
यह गीत पिया को पास बुलाएगा ।
जी, पहले कुछ दिन शर्म लगी मुझको
पर पीछे-पीछे अक्ल जगी मुझको
जी, लोगों ने तो बेच दिए ईमान ।
जी, आप न हों सुनकर हैरान ।

(च) युद्ध को तुम निन्द्य कहते हो मगर,
जब तलक हैं उठ रही चिनगारियाँ
भिन्न स्वार्थों के कुलिश-संघर्ष की,
युद्ध तब तक विश्व में अनिवार्य है ।

2. आदिकालीन काव्य के स्वरूप तथा विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए । *16*

3. जायसी के महाकाव्य 'पद्मावत' की विशेषताएँ बताइए । *16*

4. देव **अथवा** पद्माकर की काव्यगत विशेषताएँ बताइए । *16*

5. भारतेन्दु काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए । *16*

6. छायावाद के संदर्भ में निराला के काव्य का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए । *16*

7. समकालीन कविता के स्वरूप तथा विकास पर प्रकाश डालिए । *16*

8. अज्ञेय के काव्य में व्यक्त जीवन दृष्टि पर प्रकाश डालिए । *16*

9. 'कुरुक्षेत्र' के उद्देश्य और महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए । *16*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

    (क) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य

    (ख) नागार्जुन के काव्य में प्रकृति-चित्रण

    (ग) जयशंकर प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय भावना

    (घ) रीतिमुक्त काव्य

    (ङ) सूरदास के काव्य में वात्सल्य भावना